एथेनॉल मिश्रण को मिलेगा बढ़ावा

अमृता पिल्लई
मुंबई, 17 मई

इस समय कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में नई जैव ईंधन नीति से एथेनॉल उत्पादन और उसके मिश्रण को बढ़ावा मिल सकता है। इससे देश पर तेल आयात का बोझ घटने के साथ इस क्षेत्र में निजी निवेश आकर्षित होने की संभावना है, जहां अब तक सरकारी तेल कंपनियों का दबदबा रहा है।

सरकार ने 2जी एथेनॉल उत्पादन के लिए प्रायोगिक परियोजनाएं बनाई हैं, जिन्हें इस नीति से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस क्षेत्र में ठेके देने व आवंटन का काम विभिन्न चरणों में है। 2016 में सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने एथेनॉल रिफाइनरी परियोनजओं और स्टार्ट अप पहल के लिए 10 सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। देश के विभिन्न इलाकों में 3 तेल विपणन कंपनियां दूसरी पीढ़ी (2जी) के एथेनॉल संयंत्र लगाने का काम कर रही है।

पुणे की प्राज इंडस्ट्रीज ऐसी कंपनियों में से एक है, जिसने बॉयो एनर्जी सॉल्यूशंस के लिए तेल विपणन कंपनियों के साथ समझौता किया है। प्राज इंडस्ट्रीज के बॉयोफ्यूल कारोबार के अध्यक्ष अतुल मुले ने कहा, 'बीपीसीएल और आईओसी के 2जी एथेनॉल संयंत्र की योजना कार्यक्रम के मुताबिक चल रही है और यहां 2020 तक उत्पादन शुरू हो जाएगा। इन दोनों परियोजनाओं के आवंटन की गतिविधियां चल रही हैं।' बीपीसीएल यह संयंत्र ओडिशा में और आईओसी ऐसा ही संयंत्र पंजाब के पानीपत में लगा रही है।

आईओसी के एक प्रवक्ता ने कहा, 'प्राज इंडस्ट्रीज के साथ हुए समझौते के मुताबिक पानीपत और दाहेज में 2 लिग्नो सेलुलोजिक एथेनॉल संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इंडियन ऑयल ने पहले ही प्राज इंडस्ट्रीज को पानीपत में संयंत्र के लिए लाइसेंसर जॉब आवंटित कर दिया है जबकि दाहेज परियोजना की अभी समीक्षा हो रही है।' नीति के मुताबिक सराकर ने एथेनॉल उत्पादन के लिए कच्चे माल की संभावना बढ़ा दी है, जिसके लिए कृषि कचरा का इस्तेमाल हो सकता है, जो मानव के खाने योग्य नहीं हों। मुले ने कहा, 'शीरे से बनने वाले एथेनॉल का इस्तेमाल अन्य उद्योगों में भी होता है इसलिए इससे एथेनॉल मिश्रण की आंशिक जरूरतें ही पूरी हो सकती हैं। कृषि के खराब सामान का इसके लिए इस्तेमाल की अनुमति दी गई है, जिससे 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।'

राष्ट्रीय नीति-2018

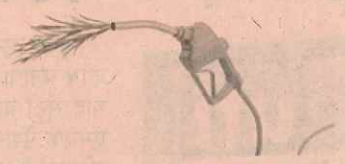

- एथेनॉल उत्पादन के लिए कच्चे माल की संभावनाओं का विस्तार
- अतिरिक्त कृषि उत्पादों, कृषि कचरे को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल की अनुमति
- 2जी एथेनॉल बायो रिफाइनरियों के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के संकेत
- 6 साल के व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण, कर छूट, उद्य खरीद मूल्य के लिए 5,000 करोड़ रुपये के कोष के संकेत
- एक करोड़ लीटर एथेनॉल से मौजूदा दर पर 28 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत

स्रोतः पत्र सूचना कार्यालय

Business Standard (Hindi)
18/5/2018